अभ्यास पत्रक

7. जलाते चलो (द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी)

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

मेरी समझ से

1. (क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है उसके सामने तारा (☆) बनाइए 1

(1) निम्नलिखित में से कौन-सी बात इस कविता में मुख्य रूप से कही गई है?

- भलाई के कार्य करते रहना
- दीपावली के दीपक जलाना
- बल्ब आदि जलाकर अंधकार दूर करना
- तिमिर मिलने तक नाव चलाते रहना

(2) "जला दीप पहला तुम्हीं ने तिमिर की, चुनौती प्रथम बार स्वीकार की थी" यह वाक्य किससे कहा गया है? 1

- तूफान से
- दीपकों से
- मनुष्यों से
- तिमिर से

मिलकर करें मिलान

2. कविता में से चुनकर कुछ शब्द यहाँ दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थों या संदर्भों से मिलाइए। 4

शब्द
1. अमावस
2. पूर्णिमा
3. विद्युत-दिये
4. युग

अर्थ या संदर्भ
1. पूर्णमासी, वह तिथि जिस रात चंद्रमा पूरा दिखाई देता है।
2. विद्युत दिये अर्थात बिजली से जलने वाले दीपक, बल्ब आदि उपकरण।
3. समय, चार युग- सत्ययुग (सतयुग), त्रेता युग, द्वापर युग और कलियुग।
4. अमावस्या, जिस रात आकाश में चन्द्रमा दिखाई नहीं देता।

पंक्तियों पर चर्चा

3. कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कर अर्थ लिखिए - 4

1. "दिये और तूफ़ान की यह कहानी
चली आ रही और चलती रहेगी,
जली जो प्रथम बार लौ दीप की
स्वर्ण-सी जल रही और जलती रहेगी ॥
रहेगा धरा पर दिया एक भी यदि
कभी तो निशा को सवेरा मिलेगा॥"

उत्तर- .....

.....

.....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

4. द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी का जन्म कब हुआ ? **1**

(क) 1915 (ख) 1916 (ग) 1917 (घ) 1920

उत्तर- ....

5. तिमिर के पर्यायवाची हैं- **1**

(क) अँधियारा (ख) अंधकार (ग) तमस (घ) सभी

उत्तर- ....

6. विश्व पर क्या घिर कर आ रहा है? **1**

उत्तर- ....

....

7. जो दीपक बुझ गए हैं, उन्हें कैसे जलाया जा सकता है? **2**

उत्तर- ....

....

....

....

egyanarchive